



Sowrav chokrobarty

11 Dec 2002

02:55 PM

Kishanganj

Model: Web-MyKundli

Order No: 120859001

शुद्धभाषण

ज्योतिष एक विज्ञान है जिसके अंतर्गत ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके प्रभावों की भविष्यवाणी करने हेतु ग्रहों की स्थिति एवं इसके बल की गणना की जाती है। जन्मपत्रिकाओं की गणना अति सटीक है जिसमें बिल्कुल सही रेखांश प्रयुक्त हुए हैं। सामान्य तौर पर इसमें चित्रापक्षीय अयनांश का प्रयोग किया जाता है जबतक कि आप दूसरे अयनांश का विकल्प न मांगें।

कम्प्यूटर जन्मपत्रिकाएं मुख्य रूप से पाराशरी पद्धति पर आधारित है। हालांकि इसमें ताजिक पद्धति, जैमिनी पद्धति, कृष्णमूर्ति पद्धति, प्रश्नशास्त्र एवं पाश्चात्य पद्धतियों का भी ज्योतिषीय गणना में मिश्रण किया गया है। फलादेश मुख्य रूप से विभिन्न प्राचीन शास्त्रों जैसे बृहत् पराशर, होराशास्त्र, मानसागरी, सारावली, जातकभरणम, बृहत् जातक, फलदीपिका, जातक पारिजात के अनुरूप, साथ ही अपने अनुभवों का भी समावेश करके बनाया गया है। फिर भी, ज्योतिष का मार्गदर्शन लेकर हम अपने भविष्य का संकेत मात्र प्राप्त कर सकते हैं। सिर्फ सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा ही यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि आनेवाले समय में क्या घटित होगा ?

यह जन्मपत्रिका जन्म तिथि, जन्म समय एवं जन्म स्थान पर आधारित है जो कि जातक ने हमें उपलब्ध कराया है। अतः आंकड़ों की सटीकता से संबंधित हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं है। ज्योतिषीय गणना एवं फलादेश जातक द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के ऊपर आधारित है। जन्मपत्रिका में दिए गए फलादेश जातक के लिए सिर्फ संकेत मात्र है जिस पर जातक को सावधानीपूर्वक अमल करना चाहिए न कि हूबहू जैसा फलादेश में कहा गया है, बिना सोचे समझे उसे अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करनी चाहिए। जन्मपत्रिका के विभिन्न पृष्ठों में दी गयी सूचनाएं किसी भी प्रकार के विवाद अथवा वैधानिक कार्यवाही के लिए उपयुक्त नहीं है। अतः जातक की स्वयं की कार्यवाही से उत्पन्न हुए किसी भी क्षति के लिए हम उत्तरदायी नहीं है।

লিঙ্গ _____: পুরুষ
জন্ম তিথি _____: 11/12/2002
দিন _____: বুধবার
জন্ম সময় _____: 14:55:00 ঘন্টা
ইন্ট _____: 21:39:14 ঘটা
স্থান _____: Kishanganj
রাজ্য _____: Bihar
দেশ _____: India

অক্ষাংশ _____: 26:06:00 উত্তর
রেখাংশ _____: 87:57:00 পূর্ব
মধ্য রেখাংশ _____: 82:30:00 পূর্ব
স্থানীয় সংস্কার _____: 00:21:48 ঘন্টা
গ্রীষ্ম সংস্কার _____: 00:00:00 ঘন্টা
স্থানীয় সময় শোধন _____: 15:16:48 ঘন্টা
বেলাান্তর _____: 00:06:54 ঘন্টা
সাম্প্রতিক কাল _____: 20:36:30 ঘন্টা
সূর্যোদয় _____: 06:15:18 ঘন্টা
সূর্যাস্ত _____: 16:47:26 ঘন্টা
দিনমান _____: 10:32:08 ঘন্টা
সূর্য স্থিতি -অয়ন _____: দক্ষিণায়ন
সূর্য স্থিতি -গোল _____: দক্ষিণ
ঋতু _____: হেমন্ত
সূর্য ডিগ্রী _____: 25:15:47 বৃশ্চিক
লগ্ন ডিগ্রী _____: 26:46:49 মেঘ

অবকহড়া চক্র
লগ্ন-লগ্নাধিপতি _____: মেঘ - মঙ্গল
রাশি-স্বামী _____: কুম্ভ - শনি
নক্ষত্র-চরণ _____: পূ ভাদ্রপদ - 1
নক্ষত্র-স্বামী _____: বৃহস্পতি
যোগ _____: বজ্র
করণ _____: বিষ্টি
গণ _____: নর
যোনি _____: সিংহ
নাড়ী _____: আদ্য
বর্ণ _____: শূদ্র
বশ্য _____: মানব
বর্গ _____: মেঘ
যুগ্ম _____: অন্ত
হংসক _____: ভূমি
জন্ম নামাক্ষর _____: সে-সেনজিত
পায়া/রাশি-নক্ষত্র _____: স্বর্ণ - লৌহ
সূর্য রাশি-পাশ্চাত্য _____: ধনু



FUTUREPOINT
Astro Solutions



পঞ্জিকা

পিতামহের নাম _____:
 বাবার নাম _____:
 মায়ের নাম _____:
 জাতি _____:
 গোত্র _____:

ক্যালেন্ডার	বর্ষ	মাস	তিথি/প্রবিন্ট
রাষ্ট্রীয়	শক : 1924	মাগশীর্ষ	20
পাঞ্জাবী	সম্বৎ : 2059	মাগশীর্ষ	26
বাংলা	সন্ : 1409	মাগশীর্ষ	25
তামিল	সম্বৎ : 2059	কার্ত্তিক	26
কেরালা	কোল্লম : 1178	বৃশ্চিক	25
নেপালী	সম্বৎ : 2059	মাগশীর্ষ	26
চৈত্রাদি	সম্বৎ : 2059	মাগশীর্ষ	শুক্ল 7
কার্ত্তিকাদি	সম্বৎ : 2059	মাগশীর্ষ	শুক্ল 7

পঞ্জিকা

সূর্যোদয় কালীন তিথি _____ : 7
 তিথির সমাপ্তিকালীন _____ : 08:20:44
 জন্ম তিথি _____ : 8
 সূর্যোদয় কালীন নক্ষত্র _____ : শতভিষা
 নক্ষত্র সমাপ্তি কাল _____ : 10:20:48 ঘন্টা
 জন্মকালীন যোগ _____ : পূ ভাদ্রপদ
 সূর্যোদয় কালীন যোগ _____ : বজ্র
 যোগ সমাপ্তি কাল _____ : 19:21:08 ঘন্টা
 জন্মকালীন যোগ _____ : বজ্র
 সূর্যোদয় কালীন করণ _____ : বণিজ
 করণ সমাপ্তি কাল _____ : 08:20:44 ঘন্টা
 জন্মকালীন করণ _____ : বিষ্টি
 ভয়ৎ _____ : 11:25:28
 ভাবক _____ : 66:22:15
 ভোগ্য দশা _____ : বৃহ 13 ব 2 মা 21 দি

ঘাত চক্র

মাস _____ : চৈত্র
 তিথি _____ : 3-8-13
 দিন _____ : বৃহস্পতিবার
 নক্ষত্র _____ : আর্দ্রা
 যোগ _____ : গন্ড
 করণ _____ : কিস্তুদ্বা
 প্রহর _____ : 3
 বর্গ _____ : হংস
 লগ্ন _____ : মিথুন
 সূর্য _____ : বৃষ
 চন্দ্র _____ : ধনু
 মঙ্গল _____ : মিথুন
 বুধ _____ : বৃষ
 বৃহস্পতি _____ : কর্কট
 শুক্র _____ : সিংহ
 শনি _____ : মেঘ
 রাহু _____ : কন্যা

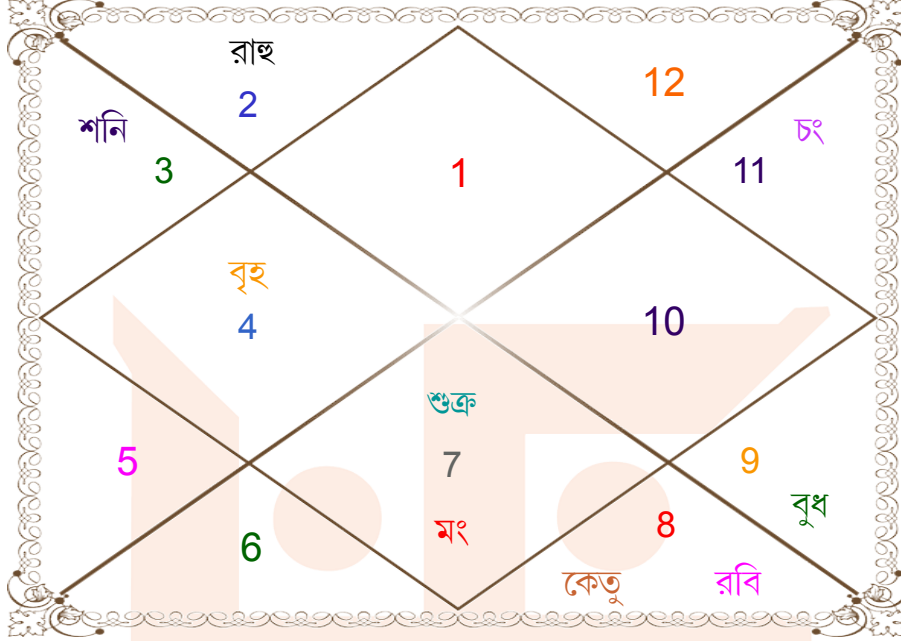


FUTUREPOINT
 Astro Solutions

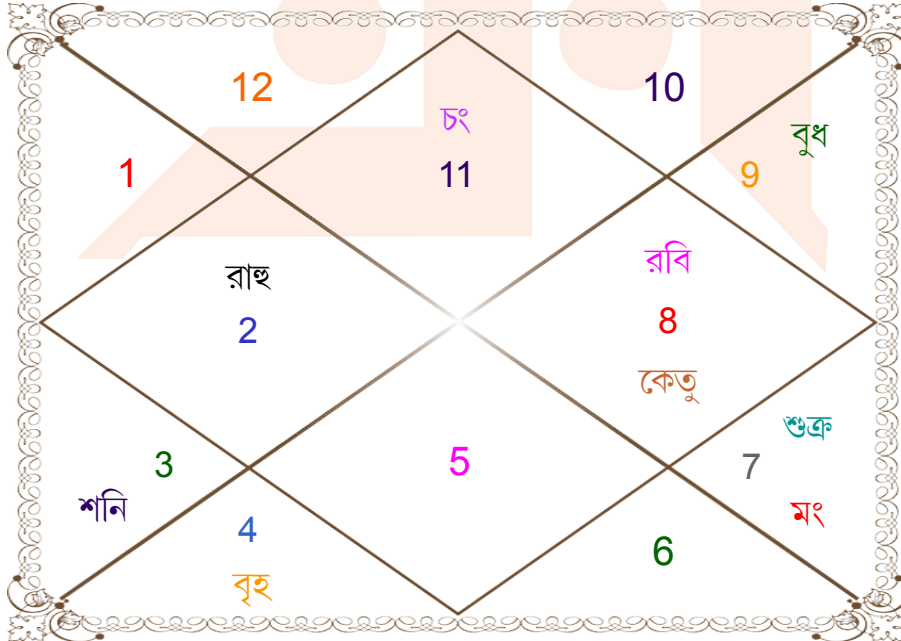


জন্ম কুন্ডলী

নগ্ন কুন্ডলী



চন্দ্র কুন্ডলী



লগ্ন কুন্ডলী ঔর দশা

লগ্ন কুন্ডলী

	লং	রাহ	শনি
চং			বৃহ
বুধ	কেতু রবি	শুক্র মং	

লগ্ন কুন্ডলী

রাহ	লং	
শনি		চং
বৃহ		
	মং শুক্র	বুধ রবি কেতু

বিংশোত্তরী
বৃহস্পতি 13ব 2মা 21দি
বৃহস্পতি

11/12/2002

04/03/2120

বৃহস্পতি	03/03/2016
শনি	03/03/2035
বুধ	03/03/2052
কেতু	03/03/2059
শুক্র	03/03/2079
রবি	03/03/2085
চন্দ্র	03/03/2095
মঙ্গল	04/03/2102
রাহ	04/03/2120

যোগিনী
ভ্রামরী 3ব 3মা 20দি
সঙ্কট

01/04/2024

01/04/2032

সঙ্কট	11/01/2026
মঙ্গলা	02/04/2026
পিঙ্গলা	11/09/2026
ধান্যা	13/05/2027
ভ্রামরী	01/04/2028
ভদ্রিকা	12/05/2029
উলকা	11/09/2030
সিদ্ধা	01/04/2032



FUTUREPOINT
Astro Solutions

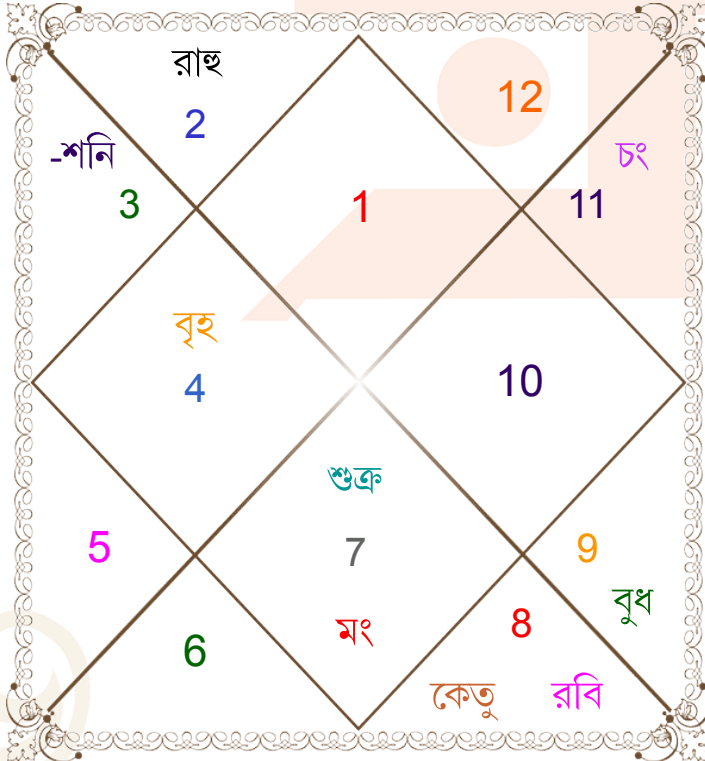


গ্রহের ডিগ্রী এবং তার অবস্থান

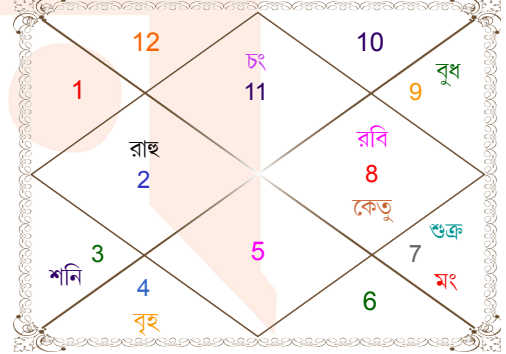
গ্রহ	ব	অ	রাশি	ডিগ্রী	গতি	নক্ষত্র	পদ	সংখ্যা	রা	ন	অ.	স্থিতি
লং			মেঘ	26:46:49	415:13:58	কৃত্তিকা	1	3	মং	রবি	রবি	---
রবি			বৃশ্চি	25:15:47	01:00:59	জ্যেষ্ঠা	3	18	মং	বুধ	রাহু	মিত্ররাশি
চং			কুম্ভ	22:18:44	12:07:23	পূ ভাদ্রপদ	1	25	শনি	বৃহ	শনি	সমরাশি
মং			তুলা	12:24:07	00:38:36	স্বাতী	2	15	শুক্র	রাহু	শনি	সমরাশি
বুধ			ধনু	09:58:24	01:30:44	মূলা	3	19	বৃহ	কেতু	শনি	সমরাশি
বৃহ	ব		কর্ক	24:07:57	00:01:22	অশ্লেষা	3	9	চং	বুধ	রাহু	উচচস্থ
শুক্র			তুলা	13:11:25	00:37:52	স্বাতী	2	15	শুক্র	রাহু	বুধ	মূলত্রিকোণ
শনি	ব		মিথু	02:13:33	00:04:54	মৃগশিরা	3	5	বুধ	মং	কেতু	মিত্ররাশি
রাহু	ব		বৃষ	14:43:26	00:00:17	রোহিণী	2	4	শুক্র	চং	বৃহ	মিত্ররাশি
কেতু	ব		বৃশ্চি	14:43:26	00:00:17	অনুরাধা	4	17	মং	শনি	রাহু	মিত্ররাশি
ইউ			কুম্ভ	01:35:41	00:01:50	ধনিষ্ঠা	3	23	শনি	মং	বুধ	---
নেপ			মক	15:02:10	00:01:37	শ্রবণা	2	22	শনি	চং	বৃহ	---
পলু			বৃশ্চি	23:36:49	00:02:18	জ্যেষ্ঠা	3	18	মং	বুধ	মং	---
দশম ভাব			মক	12:50:04	--	শ্রবণা	--	22	শনি	চং	রাহু	--

ব - বক্রী স - স্থির
অ - অস্ত পূ - পূর্ণ অস্ত
রাহু : স্পর্শ
লাহিড়ী অয়নাংশ : 23:53:37

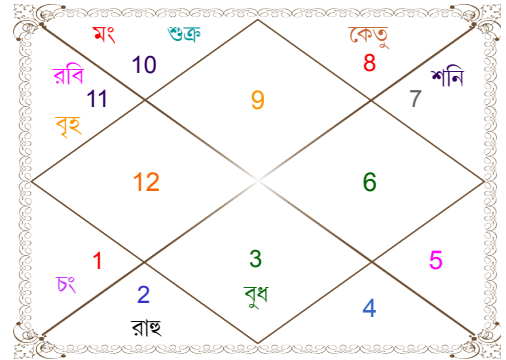
লগ্ন চলিত



চন্দ্র কুন্ডলী



নবাংশ কুন্ডলী



চলিত এবং নিরয়ন ভাব চলিত

চলিত ডিগ্রী

ভাব	ভাব সন্ধি	ভাব মধ্য
1	মেঘ 09:27:21	মেঘ 26:46:49
2	বৃষ 09:27:21	বৃষ 22:07:54
3	মিথুন 04:48:27	মিথুন 17:28:59
4	কর্কট 00:09:32	কর্কট 12:50:04
5	সিংহ 00:09:32	সিংহ 17:28:59
6	কন্যা 04:48:27	কন্যা 22:07:54
7	তুলা 09:27:21	তুলা 26:46:49
8	বৃশ্চিক 09:27:21	বৃশ্চিক 22:07:54
9	ধনু 04:48:27	ধনু 17:28:59
10	মকর 00:09:32	মকর 12:50:04
11	কুম্ভ 00:09:32	কুম্ভ 17:28:59
12	মীন 04:48:27	মীন 22:07:54

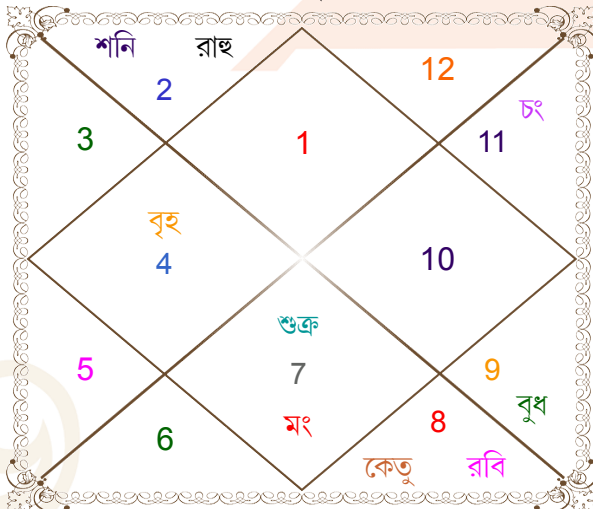
নিরয়ন ভাব চলিত

ভাব	রাশি	ডিগ্রী
1	মেঘ	26:46:49
2	বৃষ	24:13:35
3	মিথুন	18:09:32
4	কর্কট	12:50:04
5	সিংহ	11:52:59
6	কন্যা	17:39:10
7	তুলা	26:46:49
8	বৃশ্চিক	24:13:35
9	ধনু	18:09:32
10	মকর	12:50:04
11	কুম্ভ	11:52:59
12	মীন	17:39:10

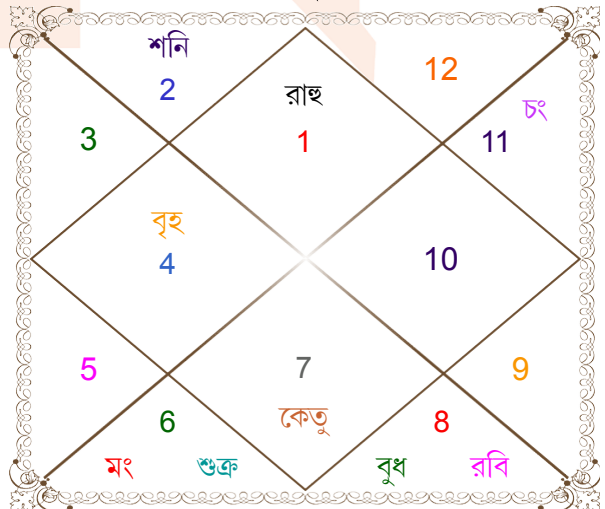
তারা চক্র

জন্ম	সম্পদ	বিপত	ক্ষেম	প্রত্যারি	সাধক	বধ	মিত্র	অতিমিত্র
পূ ভাদ্রপদ	উ ভাদ্রপদ	রেবতী	অশ্বিনী	ভরণী	কৃত্তিকা	রোহিণী	মৃগশিরা	আর্দ্রা
পুনর্বসু	পুষ্যা	অশ্লেষা	মঘা	পূ ফালগুনী	উ ফালগুনী	হস্তা	চিত্রা	স্বাতী
বিশাখা	অনুরাধা	জ্যেষ্ঠা	মূলা	পূর্বাষাঢ়া	উত্তরাষাঢ়া	শ্রবণা	ধনিষ্ঠা	শতভিষা

চলিত কুন্ডলী



ভাব কুন্ডলী



বিংশোত্তরী দশা

ভোগ্য দশা : বৃহস্পতি 13 বর্ষ 2 মাস 21 দিন

বৃহ 16 বর্ষ	শনি 19 বর্ষ	বুধ 17 বর্ষ	কেতু 7 বর্ষ	শুক্র 20 বর্ষ
11/12/2002	03/03/2016	03/03/2035	03/03/2052	03/03/2059
03/03/2016	03/03/2035	03/03/2052	03/03/2059	03/03/2079
11/12/2002	শনি 06/03/2019	বুধ 30/07/2037	কেতু 30/07/2052	শুক্র 03/07/2062
শনি 01/11/2004	বুধ 14/11/2021	কেতু 27/07/2038	শুক্র 29/09/2053	রবি 03/07/2063
বুধ 07/02/2007	কেতু 23/12/2022	শুক্র 27/05/2041	রবি 04/02/2054	চং 03/03/2065
কেতু 14/01/2008	শুক্র 22/02/2026	রবি 03/04/2042	চং 05/09/2054	মং 03/05/2066
শুক্র 14/09/2010	রবি 04/02/2027	চং 02/09/2043	মং 01/02/2055	রাহু 03/05/2069
রবি 03/07/2011	চং 04/09/2028	মং 29/08/2044	রাহু 19/02/2056	বৃহ 02/01/2072
চং 01/11/2012	মং 14/10/2029	রাহু 19/03/2047	বৃহ 25/01/2057	শনি 03/03/2075
মং 08/10/2013	রাহু 20/08/2032	বৃহ 24/06/2049	শনি 06/03/2058	বুধ 01/01/2078
রাহু 03/03/2016	বৃহ 03/03/2035	শনি 03/03/2052	বুধ 03/03/2059	কেতু 03/03/2079

রবি 6 বর্ষ	চং 10 বর্ষ	মং 7 বর্ষ	রাহু 18 বর্ষ	বৃহ 16 বর্ষ
03/03/2079	03/03/2085	03/03/2095	04/03/2102	04/03/2120
03/03/2085	03/03/2095	04/03/2102	04/03/2120	00/00/0000
রবি 21/06/2079	চং 01/01/2086	মং 31/07/2095	রাহু 14/11/2104	বৃহ 22/04/2122
চং 21/12/2079	মং 02/08/2086	রাহু 17/08/2096	বৃহ 10/04/2107	শনি 12/12/2122
মং 26/04/2080	রাহু 01/02/2088	বৃহ 24/07/2097	শনি 14/02/2110	00/00/0000
রাহু 21/03/2081	বৃহ 02/06/2089	শনি 02/09/2098	বুধ 02/09/2112	00/00/0000
বৃহ 07/01/2082	শনি 02/01/2091	বুধ 30/08/2099	কেতু 21/09/2113	00/00/0000
শনি 20/12/2082	বুধ 02/06/2092	কেতু 26/01/2100	শুক্র 21/09/2116	00/00/0000
বুধ 27/10/2083	কেতু 01/01/2093	শুক্র 28/03/2101	রবি 15/08/2117	00/00/0000
কেতু 03/03/2084	শুক্র 02/09/2094	রবি 03/08/2101	চং 14/02/2119	00/00/0000
শুক্র 03/03/2085	রবি 03/03/2095	চং 04/03/2102	মং 04/03/2120	00/00/0000

❖ উপরোক্ত দশা চন্দ্রের অংশ আধারিত । ভয়াত ভোগ্য আধারিত দশা ভোগ্যকাল বৃহ ১৩ ব ২ মা ২৯ দি হয়।

❖ উপরোক্ত তিথি দশা সমাপ্তির সময়। বিংশোত্তরী দশা পুরো ১২০ বর্ষের বর্গিত, আয়ুনির্ণয় ব্যতীত ।

বিংশোত্তরী দশা - প্রত্যন্তর

শনি - শুক্র	শনি - রবি	শনি - চং	শনি - মং	শনি - রাহু
23/12/2022 22/02/2026	22/02/2026 04/02/2027	04/02/2027 04/09/2028	04/09/2028 14/10/2029	14/10/2029 20/08/2032
শুক্র 04/07/2023	রবি 11/03/2026	চং 24/03/2027	মং 28/09/2028	রাহু 19/03/2030
রবি 31/08/2023	চং 09/04/2026	মং 27/04/2027	রাহু 28/11/2028	বৃহ 05/08/2030
চং 05/12/2023	মং 30/04/2026	রাহু 23/07/2027	বৃহ 21/01/2029	শনি 17/01/2031
মং 11/02/2024	রাহু 21/06/2026	বৃহ 08/10/2027	শনি 26/03/2029	বুধ 13/06/2031
রাহু 02/08/2024	বৃহ 06/08/2026	শনি 07/01/2028	বুধ 22/05/2029	কেতু 13/08/2031
বৃহ 04/01/2025	শনি 30/09/2026	বুধ 29/03/2028	কেতু 15/06/2029	শুক্র 03/02/2032
শনি 06/07/2025	বুধ 18/11/2026	কেতু 02/05/2028	শুক্র 21/08/2029	রবি 26/03/2032
বুধ 17/12/2025	কেতু 08/12/2026	শুক্র 06/08/2028	রবি 10/09/2029	চং 20/06/2032
কেতু 22/02/2026	শুক্র 04/02/2027	রবি 04/09/2028	চং 14/10/2029	মং 20/08/2032
শনি - বৃহ	বুধ - বুধ	বুধ - কেতু	বুধ - শুক্র	বুধ - রবি
20/08/2032 03/03/2035	03/03/2035 30/07/2037	30/07/2037 27/07/2038	27/07/2038 27/05/2041	27/05/2041 03/04/2042
বৃহ 21/12/2032	বুধ 06/07/2035	কেতু 20/08/2037	শুক্র 16/01/2039	রবি 12/06/2041
শনি 17/05/2033	কেতু 26/08/2035	শুক্র 20/10/2037	রবি 08/03/2039	চং 08/07/2041
বুধ 25/09/2033	শুক্র 20/01/2036	রবি 07/11/2037	চং 03/06/2039	মং 26/07/2041
কেতু 18/11/2033	রবি 04/03/2036	চং 07/12/2037	মং 02/08/2039	রাহু 10/09/2041
শুক্র 21/04/2034	চং 16/05/2036	মং 28/12/2037	রাহু 04/01/2040	বৃহ 22/10/2041
রবি 07/06/2034	মং 07/07/2036	রাহু 20/02/2038	বৃহ 21/05/2040	শনি 10/12/2041
চং 23/08/2034	রাহু 15/11/2036	বৃহ 10/04/2038	শনি 01/11/2040	বুধ 23/01/2042
মং 16/10/2034	বৃহ 13/03/2037	শনি 06/06/2038	বুধ 28/03/2041	কেতু 10/02/2042
রাহু 03/03/2035	শনি 30/07/2037	বুধ 27/07/2038	কেতু 27/05/2041	শুক্র 03/04/2042
বুধ - চং	বুধ - মং	বুধ - রাহু	বুধ - বৃহ	বুধ - শনি
03/04/2042 02/09/2043	02/09/2043 29/08/2044	29/08/2044 19/03/2047	19/03/2047 24/06/2049	24/06/2049 03/03/2052
চং 16/05/2042	মং 23/09/2043	রাহু 16/01/2045	বৃহ 07/07/2047	শনি 26/11/2049
মং 15/06/2042	রাহু 16/11/2043	বৃহ 20/05/2045	শনি 15/11/2047	বুধ 14/04/2050
রাহু 31/08/2042	বৃহ 04/01/2044	শনি 15/10/2045	বুধ 11/03/2048	কেতু 11/06/2050
বৃহ 08/11/2042	শনি 01/03/2044	বুধ 24/02/2046	কেতু 29/04/2048	শুক্র 22/11/2050
শনি 29/01/2043	বুধ 21/04/2044	কেতু 19/04/2046	শুক্র 14/09/2048	রবি 10/01/2051
বুধ 13/04/2043	কেতু 13/05/2044	শুক্র 21/09/2046	রবি 25/10/2048	চং 02/04/2051
কেতু 13/05/2043	শুক্র 12/07/2044	রবি 07/11/2046	চং 02/01/2049	মং 29/05/2051
শুক্র 07/08/2043	রবি 30/07/2044	চং 23/01/2047	মং 19/02/2049	রাহু 24/10/2051
রবি 02/09/2043	চং 29/08/2044	মং 19/03/2047	রাহু 24/06/2049	বৃহ 03/03/2052

শুভাশুভ জ্ঞান

শুভাশুভজ্ঞান আপনাকে নিজের মিত্র এবং শত্রু সম্বন্ধে সজাগ করায়। মূলাঙ্ক, ভাগ্যাক্ষ এবং মিত্রাঙ্কর সহিত মিত্রতা এবং অংশীদারি করলে লাভ তথা সহযোগ প্রাপ্তি হবে। শুভ দিন এবং বর্ষ উন্নতি কারক তথা শুভ গ্রহের দশা লাভদায়ক। সেরূপ মিত্রলগ্ন এবং মিত্ররাশির ঘনিষ্ঠতা লাভদায়ক।

শুভরত্ন, শুভ ধাতু এবং শুভ রং ধারণ করলে শারীরিক এবং মানসিক সুস্থতা থাকে, ভাগ্য রত্ন ধারণ করলে সৌভাগ্য বৃদ্ধি হয়। শুভ সময়ে কার্য প্রারম্ভ করলে সফলতা প্রাপ্তি হয়। সাথে-সাথে ইন্টদেবের ধ্যান এবং জপ মানসিক শান্তি তথা সফলতা প্রদান করে। শুভ পদার্থ-অন্ন, দ্রব্য ইত্যাদির দান অথবা ব্যবসায় শুভ দিকে শুরু করলে বাঞ্ছিত ফললাভ প্রাপ্ত হয়। এইরূপ শুভাশুভজ্ঞানের দৈনন্দিন জীবনে প্রয়োগ শুভফলদায়ক।

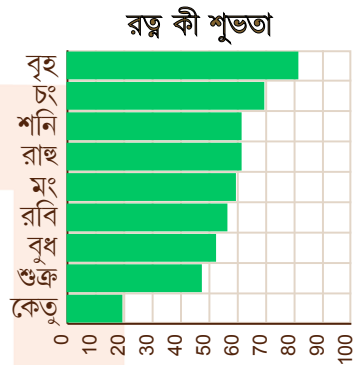
মূলাঙ্ক	2
ভাগ্যাক্ষ	9
মিত্র অঙ্ক	2, 7, 8, 9
শত্রু অঙ্ক	4, 5, 6
শুভ বর্ষ	20,29,38,47,56
শুভ দিন	বৃহ, রবি, মঙ্গ
শুভ গ্রহ	বৃহস্পতি, রবি, মঙ্গল
মিত্র রাশি	বৃষ, তুলা
মিত্র লগ্ন	কর্কট, ধনু, কুম্ভ
অনুকূল দেবতা	কুবের
শুভ রত্ন	প্রবাল
শুভ উপরত্ন	লাল হকীক
ভাগ্য রত্ন	পোখরাজ
শুভ ধাতু	তাম্র
শুভ রং	রক্ত
শুভ দিক্	দক্ষিণ
শুভ সময়	সূর্যোদয় পশ্চাত
দান পদার্থ	কেশর, কস্তুরী, রক্ত চন্দন
দান অন্ন	মল্কা
দান দ্রব্য	ঘী

রত্ন চয়ন

রত্ন জীবন মেং শুভত্ব কী বৃদ্ধি কে লিএ ধারণ কিএ জাতে হৈং। বৈজ্ঞানিক রূপ সে, রত্ন অপনে গ্রহ কী রাশিযোগে কো পর্ণমাত্রা মেং মানব শরীর মেং প্রবাহিত কর গ্রহ প্রভাব কী বৃদ্ধি করতে হৈং। যহী কারণ হৈ কি রত্ন কেবল শুভ গ্রহোং কা হী ধারণ কিয়া জাতা হৈ। গ্রহ শুভ মানা জাতা হৈ যদি যহ লগ্ন, ত্রিকোণ যা কেন্দ্র মেং স্থাপিত হো যা স্বামী হো। যহ অশুভ হোতা হৈ যদি যহ ত্রিক ভাব সে সংবন্ধিত হো। মিত্রোং কী ফতি যা দৃষ্টি ভী ইসকী শুভতা বঢ়াতী হৈ। বাধক ভাব কা স্বামিত্ব শুভতা কম কর দেতা হৈ। চর লগ্নোং মেং একাদশ, স্থির মেং নবম ব দ্বিস্বভাব মেং সপ্তম ভাব কী বাধক সংজ্ঞা হৈ। উপরোক্ত তথ্য রত্ন চয়ন হেতু গ্রহ কী শুভতা দশাতে হৈং।

নীচে জন্মকন্ডলী মেং গ্রহোং কী শুভতা কো সারণী ব গ্রাফ মেং দর্শিত কিয়া গয়া হৈ। সাথ হী কেটন সা গ্রহ কিস ত্রে মেং কার্য সিদ্ধ কর सकता হৈ दिया गया है। विभिन्न दशाओं में विभिन्न रत्नों की शुभता भी नीचे तालिका में दी गई है। जिस ग्रह को १५ प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसको रत्न हमें सर्वदा बिना दशा विचार के धारण करने चाहिए। जिसे ५०-१५ प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसे कार्य त्रे अनसार व अनुकूल दशा में धारण करना चाहिए। जो रत्न केवल २५-५० प्रतिशत शुभता लिए हैं उनको रत्न केवल उनकी या उनके मित्रों की दशा में धारण करने चाहिए। अन्ततः जिसे २५ प्रतिशत से भी कम शुभता प्राप्त है वे ग्रह अपने लिए अशुभ ही समर्थन नर उनको रत्नों को पहनने से बचना चाहिए।

রত্ন	গ্রহ	শুভতা	ক্ষেত্র
পোখরাজ	বৃহ	81%	সুখ, ভাগ্যোদয়, কম খরচ
মুজা	চং	69%	ধন্যর্জন, সুখ
নীলা	শনি	61%	পরাক্রম, ব্যবসায়িক উন্নতি, ধন্যর্জন
গোমেদ	রাহু	61%	ধন, দম্পতি
প্রবাল	মং	59%	দম্পতি, স্বাস্থ্য, দুর্ঘটনা এড়ানো
মাণিক্য	রবি	56%	দুর্ঘটনা এড়ানো, সন্ততি সুখ
পান্না	বুধ	52%	ভাগ্যোদয়, পরাক্রম, শত্রু এবং রোগ মুক্তি
হীরা	শুক্র	47%	দাম্পত্য কষ্ট, ধন হানি
বৈদূর্মনি	কেতু	19%	দুর্ঘটনা, দাম্পত্য কষ্ট



দশানুসার রত্ন বিচার

দশা	সমাপ্তি	মাণিক্য	মুজা	প্রবাল	পান্না	পোখরাজ	হীরা	নীলা	গোমেদ	বৈদূর্মনি
বৃহ	03/03/2016	62%	75%	66%	28%	94%	22%	61%	61%	19%
শনি	03/03/2035	38%	56%	44%	58%	81%	55%	73%	67%	0%
বুধ	03/03/2052	62%	56%	59%	64%	81%	55%	61%	61%	19%
কেতু	03/03/2059	38%	56%	66%	52%	81%	55%	47%	47%	44%
শুক্র	03/03/2079	38%	56%	59%	58%	81%	61%	67%	67%	31%
রবি	03/03/2085	69%	75%	66%	52%	88%	22%	47%	47%	0%
চং	03/03/2095	62%	81%	59%	58%	81%	47%	61%	47%	0%
মং	04/03/2102	62%	75%	72%	28%	88%	47%	61%	47%	31%
রাহু	04/03/2120	38%	56%	44%	52%	81%	55%	67%	73%	0%



FUTUREPOINT
Astro Solutions



সাড়েসাতী বিচার

শনির সাড়েসাতীর প্রভাব দান পূজা অনাহার এবং মন্ত্র উচ্চারণের সাহায্যে কমানো সম্ভব। রত্ন পরিধান করার পূর্বে দুধ ও গঙ্গাজলে পরিষ্কার করে ধূপ জালিয়ে পূজা এবং ১০৮ বার মন্ত্র উচ্চারণ করতে হবে। শনি দ্বাদশ, প্রথম এবং দ্বিতীয় স্থান অতিক্রম করলে তবেই কোন জন্মকুণ্ডলীতে সাড়েসাতীর প্রভাব পরিলক্ষিত হয়। শনি নাটাল চন্দ্রের চতুর্থ ও অষ্টম স্থান অতিক্রম করার ফলে চৈয়ার প্রভাব দেখা যায়। সাড়েসাতীর প্রভাব বিদ্যমান হয় সাড়ে সাত বছর এবং চৈয়ার প্রভাব বিদ্যমান হয় আড়াই বছর। সাধারণতঃ এটি শরীর, মানসিক শান্তি এবং অর্থনৈতিক অবস্থা বিঘ্নিত করে।

সাধারণতঃ সাড়েসাতী যে কোনো জন্মকুণ্ডলী তিনবার পরিভ্রমণ করে প্রথম-বাল্যকালে দ্বিতীয়-যৌবনকালে তৃতীয় - বৃদ্ধ বয়সে, প্রথম সাড়েসাতী শিক্ষা ও পিতা মাতাকে প্রভাবিত করে। দ্বিতীয় সাড়েসাতী জীবিকা অর্থ এবং পারিবারকে প্রভাবিত করে। শেষ সাড়েসাতী স্বাস্থ্যকে প্রভাবিত করে।

নিম্ন লিখিত সারণীতে সাড়েসাতীর পর্যায় এবং তার প্রভাব বর্ণিত হল।

প্রথম চক্র

অষ্টম স্থানস্থ চৈয়া	10/09/2009-15/11/2011	16/05/2012-04/08/2012	-----
সাড়েসাতী প্রথম চৈয়া	24/01/2020-29/04/2022	12/07/2022-17/01/2023	-----
সাড়েসাতী দ্বিতীয় চৈয়া	29/04/2022-12/07/2022	17/01/2023-29/03/2025	-----
সাড়েসাতী তৃতীয় চৈয়া	29/03/2025-03/06/2027	20/10/2027-23/02/2028	-----
চতুর্থ স্থানস্থ চৈয়া	08/08/2029-05/10/2029	17/04/2030-31/05/2032	-----

দ্বিতীয় চক্র

অষ্টম স্থানস্থ চৈয়া	22/10/2038-05/04/2039	13/07/2039-28/01/2041	06/02/2041-26/09/2041
সাড়েসাতী প্রথম চৈয়া	06/03/2049-10/07/2049	04/12/2049-25/02/2052	-----
সাড়েসাতী দ্বিতীয় চৈয়া	25/02/2052-14/05/2054	02/09/2054-05/02/2055	-----
সাড়েসাতী তৃতীয় চৈয়া	14/05/2054-02/09/2054	05/02/2055-07/04/2057	-----
চতুর্থ স্থানস্থ চৈয়া	27/05/2059-11/07/2061	13/02/2062-07/03/2062	-----

তৃতীয় চক্র

অষ্টম স্থানস্থ চৈয়া	30/08/2068-04/11/2070	-----	-----
সাড়েসাতী প্রথম চৈয়া	15/01/2079-12/04/2081	03/08/2081-07/01/2082	-----
সাড়েসাতী দ্বিতীয় চৈয়া	12/04/2081-03/08/2081	07/01/2082-20/03/2084	-----
সাড়েসাতী তৃতীয় চৈয়া	20/03/2084-21/05/2086	21/05/2086-08/02/2087	-----
চতুর্থ স্থানস্থ চৈয়া	18/07/2088-31/10/2088	05/04/2089-19/09/2090	25/10/2090-21/05/2091

শনির চৈয়া ফল

চৈয়ার প্রকার	ফল	ক্ষেত্র
অষ্টম স্থানস্থ চৈয়া	শুভ	শত্রু এবং রোগ
সাড়েসাতী প্রথম চৈয়া	শুভ	ব্যবসায়িক উন্নতি
সাড়েসাতী দ্বিতীয় চৈয়া	শুভ	ধনার্জন
সাড়েসাতী তৃতীয় চৈয়া	অশুভ	কম খরচ
চতুর্থ স্থানস্থ চৈয়া	শুভ	ধন

সাড়েসাতীর উপায়

দান পূজা অনাহার এবং মন্ত্র উচ্চারণের মাধ্যমে সাড়েসাতির প্রভাব সীমিত করা সম্ভব। দান সামগ্রীর মধ্যে কালো বস্ত্র কালো কলাই, চামড়ার জুতো, শস্য দানা ইত্যাদি উল্লেখযোগ্য। শনিবার অনাহার করে শনির পূজা করা উচিত এবং পরে গম, গমের আটা, ফল, কালো নুন, কালো কলাই ইত্যাদি আহার করা উচিত। শনিবার নিজে অথবা ব্রাহ্মণের মাধ্যমে ১৯০০০ বার।

ওঁ প্রাং প্রং প্রৌং সঃ শনৈশ্চরায় নমঃ ।।

মন্ত্র, উচ্চারণ করা দরকার স্বাস্থ্য মানসিক শান্তি, পরিবারের সুখ, অর্থ এবং জীবিকার উপর সাড়েসাতির শুভপ্রভাব লাভের জন্য মহামৃত্যুঞ্জয় মন্ত্র উচ্চারণ করলে সুফল পাওয়া যেতে পারে। ১২৫০০০ বার এই মন্ত্রটি উচ্চারণ করতে হবে।

ওঁ ত্রয়ংবকম যজামহে সুগন্ধিং পুষ্টিবর্ধনম্।

উবার্দ্ধকমিব বন্ধনাম্মৃত্যোর্মুক্তীয় মা মৃতাত।।

রত্ন পরিধানের পূর্বে এটি দুধ এবং গঙ্গাজলে ধুয়ে ধূপ জালিয়ে পূজা এবং ১০৮ বার মন্ত্র উচ্চারণ করতে হবে।

ওঁ হোং জুং স ওঁ ভূর্ভুব স্ব ওঁ ।।

শনির সাড়েসাতীর শুভত্ব যাড়ানোর জন্য শনি যারের দিন আপনি ঘোড়ার নাল বা নৌকার পেরেক দিয়ে তৈরী লোহার আংটি ধারণ করুন। আপনি নীলা বস্ত্র যাহিষ্কার করুন, কারণ শনি আপনার ঠিকুজীতে যোগকারক গ্রহ নয়। লোহার আংটি ডানহাতে মধ্যমা আঙুলে ধারণ করুন।

শনিবার শুক্ল পক্ষে সূর্যোৎস-র পূর্বে রত্ন পরিধানের শুভ সময়। এদিন পুষ-্যা, অনুরাধা, উত্তরা ভাদ্রপদ নক্ষত্র গুলি শুভ। শনিবার উপোস থাকা জরুরি।

ওঁ শং শনৈশ্চরায় নমঃ ।

অঙ্গুষ্ঠী ধারণ করলে শনির বস্ত্র দান করা উচিত। শনির অশুভ প্রভাব কম হবে তথা আপনার সুখ শান্তি এবং সমৃদ্ধি বৃদ্ধি হবে। ডড্রডশডড্রডশশ্রী হনুমান চালীসা এবং শ্রী হনুমান অষ্টক পাঠ করা শ্রেষ্ঠ।

ईर्ष्या “किं भ्रू”

जब वर या कन्या की कुंडली में मङ्गल लग्ना, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भाव में हो तो माङ्गलिक दोष कहलाता है। यथोक्तम्

**लग्ने व्यये च पातले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्री भर्तृविनाशश्च भर्ता च स्त्री विनाशनम्।।**

यदि जातक जातिकार कुष्ठिते मङ्गल ग्रह चतुर्थ घर, सप्तम घर, अष्टम घर वा द्वादश घरे स्थित হয় তবে এটাকে মাঙ্গলিক দোষ বলা হয়। মঙ্গল চন্দ্রের সংগে যুক্ত হয়ে প্রবল হয়। যদি শাস্ত্রানুসারে জাতক ও জাতিকা মাঙ্গলিক দোষমুক্ত হয় তবে তারা সুখে নিশ্চিন্তে বৈবাহিক জীবন যাপন করবেন। অন্যদিকে যদি তারা এই দোষমুক্ত না হয় তবে তারা অযথা বাধা ও সমস্যার সম্মুখীন হয়। সুতরাং পুরুষ ও মহিলা উভয়েরই বৈবাহিক জীবন শুরু করার পূর্বে উভয়ের কুষ্ঠিকে ভাল ভাবে বিচার করা উচিত। মাঙ্গলিক দোষ ভালভাবে মুক্ত করার পরে তারা শান্তিপূর্ণ বৈবাহিক জীবন যাপন করতে পারবেন।

আপনার জন্ম সময়ে সপ্তম স্থানে মঙ্গলের অবস্থানের ফলে আপনি একজন মাঙ্গলিক পুরুষ। আপনার মাঙ্গলিক দোষ দূর না হওয়ার কারণে আপনার পত্নী সামান্য আগ্রাসী মনোভাবাপন্ন হতে পারেন। এইজন্য মাঝেমধ্যে আপনাদের ভিতরে বিবাদ হলেও তা বিবাহিত জীবনের শান্তিকে তেমনভাবে বিঘ্নিত করবে না। রক্তচাপ বা পিত্তবিকার ভোগাতে পারে আপনাকে। মঙ্গলের প্রভাবের ফলে আপনার বিলম্বিত বিবাহযোগ্য সুচিত হয়েছে, এমনকি স্থিরীকৃত বিবাহও একাধিকবার ভেঙে যেতে পারে। তবে শেষ পর্যন্ত ভালভাবেই বিবাহ সম্পন্ন হবে। বিবাহিত জীবনে সুখ শান্তি বজায় থাকবে। সপ্তম স্থানে মঙ্গলের অবস্থানের ফলে পিত্তবিকার রোগে ভুগতে হতে পারে। দশম স্থানে মঙ্গলের দৃষ্টিদানের ফলে আপনার কর্ম প্রচেষ্টার সার্থকতা সুচিত হয়েছে। সমাজে আপনার সম্মানযোগ্য অবস্থান থাকবে লগ্নের উপরে মঙ্গলের দৃষ্টি থাকার জন্য কখনও মানসিক কষ্ট ও চিন্তা বৃদ্ধি পাবে। দ্বিতীয় স্থানের উপর মঙ্গলের দৃষ্টির প্রভাবে পরিবারের মধ্যে বিবাদ দেখা দিতে পারে, যার ফলে শান্তি মাঝে মধ্যে বিঘ্নিত হতে পারে। বিবাহিত জীবন আনন্দঘন করবার জন্য আপনি এমন কোনও মাঙ্গলিক নারীকে বিবাহ করুন যার সঙ্গে পারস্পরিকভাবে আপনার মাঙ্গলিক দোষ নষ্ট হয়ে যাবে। এর জন্য কন্যাটির জন্মকুন্ডলীতে মাঙ্গলিক স্থানসমূহে যথা লগ্ন, চতুর্থ, সপ্তম, অষ্টম ও দ্वादশ ঘরগুলিতে ক্ষতিকারক গ্রহ - যেমন, শনি ও রাহুর উপস্থিতি নিশ্চিতভাবে দরকার। এমনটা হলে আপনার জীবনে সুখ স্বাচ্ছন্দ্য ও ধনদৌলত অর্জন সম্ভবপর এবং দাম্পত্য জীবনও হয়ে উঠবে মধুর।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



কালসর্প যোগ

অগ্রে রাহুরথ কেতু সর্বে মধ্যগতা গ্রহা।
যোগা যং কালসর্পাখ্যো শীঘ্রং তং তু বিনাশয।।

রাহু এবং কেতু গ্রহের মধ্যে বাকি সমস্ত সাত গ্রহ বিদ্যমান থাকলে, কালসর্প যোগ গঠিত হয়। এই কালসর্প যোগের অশুভ ফল থেকে মুক্তি পেতে এর নিবারণ করা অত্যন্ত জরুরী।

কুন্ডলীর দ্বাদশ ভাবে রাহুর উপস্থিতি অনুযায়ী প্রধানত দ্বাদশ প্রকার কালসর্প যোগ গঠিত হয়-
৪. অক্ষপাঙ্ক ৫. কৌল্লিক ৬. মাহুদিয় ৭. তক্ষক ৮. কর্কটক ৯. শংখচূড় ১০.
ঘাতক ১১. বিষধর ১২. শেয়নাগ।

কালসর্প যোগ উদিত এবং অনুদিত দুই প্রকারের হয়। রাহুর সামনে/মুখে সমস্ত সাত গ্রহ গুপ্ত থাকলে তাহা উদিত গোলার্ধে যোগ তৈরী করে এবং রাহুর পশ্চাৎ দিক থেকে যদি সাত গ্রহ স্থাপিত হয় তা অনুদিত গোলার্ধ নামক যোগ তৈরী করে। যদি রাহু ও কেতুর মধ্যে স্থিত গ্রহে কিছু গ্রহ রাহু-কেতুর অক্ষে সামান্য বাইরে থাকে তা আংশিক কালসর্প যোগ হিসাবে পরিগণিত হয়।

এই যোগে উৎপন্ন জাতক মানসিক অশান্তি, ধনপ্রাপ্তিতে বাধা, সন্তান জন্মে অবরোধ এবং গৃহস্থ জীবনের প্রতিমূহূর্তে অশান্তির সম্মুখীন হয়। জাতক প্রায়ই দুঃস্বপ্ন দেখে। কিছু না কিছু অশুভ ঘটনার আশঙ্কা মনের মধ্যে থাকে। নিজস্ব ক্ষমতা ও কার্য কুশলতার পূর্ণ ফল প্রাপ্ত করে না অথবা দেরীতে সফলতা প্রাপ্ত করে। এই যোগে হঠাৎ লোকসান বা প্রতিষ্ঠা হানির সম্মুখীন হয়। কালসর্প যোগের বিধিবাং উপচারের দ্বারা এরূপ কষ্ট থেকে মুক্তি পাওয়া সম্ভব।

জাতক পর কালসর্প যোগের প্রভাব

আপনার জন্মকুন্ডলীতে কালসর্পযোগ না থাকায় এটির জন্য শান্তি ইত্যাদির আবশ্যিকতা নেই এবং আপনি সম্পূর্ণ সুখী জীবনযাপন করবেন।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



[illegible][illegible][illegible]

১১- ঐচ্ছিক প্রশ্ন সংক্রান্ত স্বল্প ব্রহ্ম

[illegible]

১৩- ঈজাংদ্বজসদ্বজ প্রাডজস দ্বজ নজচ দ্বন্দবক্রট

ব্রহ্মসূত্রং ব্রহ্মসংহিতাঃ সূত্রং ব্রহ্মসংহিতাঃ

৯৯ দ্রাব্য ক্রমবিন্যাস ক্রমিক

॥ अमृतं सुशु.सुशु नमः ॥

- पंचम भाव के स्वामी पर राहु का प्रभाव है।

आपकी कुंडली में ॥ के कारण पितृदोष है।

आपकी कुंडली में सूर्य पितृदोष कारक ग्रह है अतः पिता के पापकर्म आपके पितृदोष का कारण है। इस दोष के निवारणार्थ गायत्री जप, सूर्योपासना, आदित्यहृदय स्तोत्र का पाठ, आक की समिधा से हवन करें। रविवार को गाय या बैल को गेहूँ और गुड़ खिलाएं।

आपकी कुंडली में पितृदोष का योग है परंतु यदि आपको अपने जीवन में उपरोक्त वर्णित पितृदोष लक्षण में से किसी प्रकार का कष्ट या परेशानी की अनुभूति नहीं हो रही है तो आपको पितृदोष संबंधी उपाय करने की आवश्यकता नहीं है। संभव है कि किसी शुभकार्य के कारण आपके पितृ प्रसन्न हो गए हों व आपको उनकी कृपा प्राप्त हो रही हो या वे मोक्ष को प्राप्त हो गए हों।

नोट :

त्रिपिण्डी श्राद्ध एवं नारायण नाग बली पितृदोष के लिए मुख्य उपाय हैं। यह स्रयंबकेश्वर में विशेष रूप से कराये जाते हैं। त्रिपिण्डी श्राद्ध में आटे को पानी में मांढ़ कर पुतले के रूप में पूर्वजों के प्रतीकात्मक पिंड बना लिये जाते हैं, उन पर मंत्रों का पाठ किया जाता है। अंत में अस्थि विसर्जन के समान उनको जल में प्रवाह कर दिया जाता है।

नारायण नागबलि, पूर्वजों के मोक्ष व उनकी इच्छा पूर्ति के लिए कराया जाता है। इसमें दो दिन श्मशान क्रिया होती है व तीसरे दिन मांगलिक पूजा की जाती है। यदि पितृदोष के कारण संतान बाधा या विवाह बाधा आदि होती है तो इस उपाय के पश्चात जातक बाधामुक्त हो जाता है और काम स्वतः बनने लगते हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



হান্দু ৐ কব্ব

শুক্র

যদিও মেঘ রাশি ইংগিত করে যে আপনার গুপ্তবিজ্ঞান সম্পর্কে খুবই কম উৎসাহ এবং রবির প্রভাব আপনার উপর অতি প্রবল। তাই পরবর্তী কালে আপনি গুপ্তত্ব সম্পর্কে ভীষন মাত্রায় উৎসাহী হয়ে পড়বেন। আপনি রহস্য, আত্মিক বিষয় ইত্যাদি গবেষণায় আগ্রহ প্রকাশ করবেন। আপনি যে কোন ধরনের রহস্যের প্রতি আগ্রহী যেমন গুপ্তত্ব সম্পর্কে গল্প বা ভূতপ্রেত সম্পর্কে গল্প।

কোনো বড় ধরনের ডাকাতির আভাস পাওয়া যাচ্ছে না আপনার কুন্ডলী থেকে এবং আপনার পেশা এবং সম্পত্তি সুরক্ষিত থাকবে। আপনি আকস্মিক ভাবে বেশ কিছু পরিমাণ পূর্বপুরুষের সম্পত্তি লাভ করবেন ও নিজেও কিছু সম্পত্তি আহরণ করবেন। অন্যদিকে বীমার মারফত আপনি কিছু আর্থিক লাভ করতেও সক্ষম হবেন। আপনি দীর্ঘজীবী হবেন এবং কোনো বড় ধরনের অসুখ আপনার হবে না।

আপনার জন্মের সময় সূর্য অষ্টমস্থানে অবস্থান করায় আপনার পিতা স্বাস্থ্য খুব একটা ভাল যাবে না। তিনি আপনাকে স্নেহ করবেন এবং সমস্ত কাজে আপনাকে সহায়তা করবেন। তিনি আপনাকে সঠিক পথে চালনা করার জন্য সাহায্য ও সমর্থন করবেন।

আপনি আপনার পিতাকে ভক্তি করবেন এবং আপনাদের মধ্যে কদাচিৎ কোন অশান্তির সৃষ্টি হবে। আপনি যত্নসহকারে আপনার পিতার সেবা করবেন।

চন্দ্র

চন্দ্রের অবস্থান কুন্ডলের একাদশ স্থানে হওয়ায় দেখা যায় যে আপনি আপনার মার কাছ থেকে আর্থিক দিক দিয়ে লাভবান হবেন। অন্য কারোর মারফতও আর্থিক লাভের ইংগিত পাওয়া যাচ্ছে। কাপড়ের ব্যবসা, মুক্তাবিক্রী এবং সমুদ্র থেকে কোনো কিছু আহরণ করে বিক্রী থেকেও কিছু আর্থিক লাভের আভাস পাওয়া যাচ্ছে।

আপনার জীবনে বন্ধুদের সহযোগিতার বিশেষ প্রয়োজন আছে এবং বন্ধুদের সাহায্যে আপনি নিজেকে বিশেষভাবে বুঝতে পারবেন। বন্ধু অপেক্ষা আপনার বান্ধবীর সংখ্যা বেশী হবে। তারা শিক্ষিত হবে এবং আপনি ব্যবসায়ীদের সংগ বেশী পছন্দ করবেন।

যে সমাজে আপনি ঘোরাফেরা করেন সেটা শিক্ষিত ও ব্যবসায়ী ব্যক্তিদের কেন্দ্রস্থল। আপনার দিদির মনোভাব আপনার প্রতি ভালো হবে এবং আর্থিক দিক দিয়ে আপনি তার কাছ থেকে যথেষ্ট লাভবান হবেন। আপনি যেভাবে জীবন কাটাবেন তাতে আপনি খুশী, কেননা আপনার অন্তর্নিহিত সমস্ত আশাই পূরণ হবে। আপনার জন্মকুন্ডলীতে আপনার আশা পূরণের ইংগিত আছে।

আপনার জন্মের সময় চন্দ্র একাদশস্থানে অবস্থান করায় আপনার মা আপনাকে অত্যধিক স্নেহ করবেন। আপনার জীবনের অধিকাংশ উদ্যোগকে সাফল্যমন্ডিত করতে তিনি সহায়তা করবেন এবং আর্থিক দিক দিয়ে আপনাকে সাহায্য করবেন।

আপনি মাকে শ্রদ্ধা করবেন এবং আন্তরিকভাবে তাঁর সেবা করবেন। আপনারা পরস্পরকে

মঙ্গল

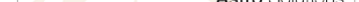
মঙ্গল তুলায় সপ্তম স্হানে অবস্থানের ফলে আপনি পরিপূর্ণ বৈবাহিক জীবনযাপন থেকে বঞ্চিত হতে পারেন, কেননা আপনার জীবনসাথীর সঙ্গে সুসম্পর্ক বজায় থাকবে না অথবা আপনি অন্য কারো সঙ্গে প্রণয়বন্ধনে আবদ্ধ হতে পারেন। ফলে আপনাদের দুজনের মধ্যে বিচ্ছেদ ঘটতে পারে।

এই শিশুটির জন্ম সময়ে সপ্তম ঘরে মঙ্গলের অবস্থান ইংগিত করে যে ভাই ও বোনদের স্বাস্থ্য সাধারণভাবে ভালোই থাকবে। কিন্তু মাঝে মধ্যে তারা দৈহিক দুর্বলতা অনুভব করবে। একাধিক উপায়ে তারা তাকে সাহায্য করবে।

বুধ

যে সব শিক্ষায় আপনি উৎসাহী সেগুলো আপনার স্কুল জীবনে শিক্ষা লাভের ক্ষেত্রে বিশেষ সহায়ক হবে। যে সব বিষয় আপনার কোনো কাজে লাগবে না সেই বিষয়ে আপনি মোটেই আগ্রহী নন। আপনার বয়স্ককালে আপনি আইন, দর্শন, ঔষধ পত্র এবং ধর্ম সম্বন্ধে আগ্রহী হবেন।

বৃহস্পতি



FUTUREPOINT
Astro Solutions

সহায়তা করবেন। ফলে আপনি ভবিষ্যতে উচ্চশিক্ষা অর্জনে সক্ষম হবেন। পিতা মাতার কাছ থেকে আপনি সম্পত্তি পাবেন। ফলে আপনার আর্থিক স্বচ্ছলতা বজায় থাকবে। আপনি আপনার সন্নিহিত অর্থ ধর্মীয় ও সামাজিক কাজে ব্যয় করবেন। এর দ্বারা আপনার আধ্যাত্মিক জ্ঞানের পরিধি বাড়বে।

শুক্র

শুক্রের অবস্থান তুলার সপ্তম স্থানে হওয়ায় দেখা যায় যে আপনার বিয়ে একটা খুব ভালো - পরিবারে হবে এবং আপনার গৃহ পরিবেশ শান্তিপূর্ণ হবে। কিন্তু আপনি কিভাবে পারিবারিক সুস্থতা বজায় রাখবেন সেটা পুরোপুরি আপনার ওপরেই নির্ভর করবে কেননা দেখা যাচ্ছে যে আপনার মদ্যপানে আসক্তি বাড়বে এবং আপনার জীবন সাথীর প্রতি অবিশ্বাসী মনোভাব গড়ে তুলবেন। কিন্তু আপনার পত্নী আপনার প্রতি খুব শীতল মনোভাব গ্রহণ করে চলবেন।

আপনি বিপরীত লিংগের কারোর প্রতি আকর্ষিত হতে পারেন যার সাথে আপনি ব্যবসা যৌথভাবে শুরু করবেন, যাই হউক আপনার ব্যবসা কিন্তু লাভজনক হবে।

শনি

শনি মিথুন রাশির তৃতীয় স্থানে অবস্থান হেতু আপনি আপনার নিজের কাজ সম্পর্কে অত্যন্ত সচেতন হবেন। আপনি অত্যন্ত স্নেহ প্রবণ হবেন এবং আপনি আপনার অধঃস্তন বা সহকর্মীদের কাছে জনপ্রিয় হবেন।

শনি মিথুন রাশির তৃতীয় স্থানে অবস্থান করায় আপনি আপনার অবসর সময় সঙ্গীত ও নৃত্যের মধ্য দিয়ে উপভোগ করবেন। আপনার কাঁধ ও বাহুতে আঘাত পাবার সম্ভাবনা আছে।

রাহু

রাহু বৃষ রাশির দ্বিতীয় স্থানে অবস্থান হেতু আপনি সন্দেহজনক বা দ্বিধাগ্রস্ত মনের ব্যক্তি হবেন এবং প্রয়োজনের তুলনায় বেশী কথা বলবেন। রাহুর দ্বারা আপনি আর্থিক ও পারিবারিক সমস্যার সন্মুখীন হবেন। আপনার গোপনে টাকা পয়সা জমানোর অভ্যাস থাকবে। আপনার আর্থিক ক্ষতি হওয়ার সম্ভাবনা আছে। তবে আপনি নিজস্ব ক্ষমতা ও জ্ঞানের দ্বারা এই সমস্যা কাটিয়ে উঠবেন। আপনি স্বনামধন্য ব্যক্তি হবেন।

কেতু

কেতুর অবস্থান অষ্টম স্থানে হওয়ায় দেখা যায় যে আপনি গুপ্তবিজ্ঞান সম্পর্কে একেবারে অনাগ্রহী। আপনি এই ধরনের কাজকে সময়ের অপচয় বলে ভাবেন। যদিও বৃশ্চিক রাশি সম্পত্তির ক্ষেত্রে আপনার সৌভাগ্য ইংগিত দেয় কিন্তু কেতুর অবস্থান অষ্টম স্থানে হওয়ায় আপনার সম্পত্তির সৌভাগ্য নষ্ট করে দেয়। কোনো মৃত ব্যক্তির সম্পত্তি বা আপনার নিজস্ব কোনো সম্পত্তি কোনোটাই আপনার

পাওয়ার সম্ভাবনা নেই।

পণের ব্যাপারেও আপনি বিশেষ একটা ভাগ্যবান নন। এটা হচ্ছে কেতুর অষ্টম স্থানে অবস্থানের জন্যে যদিও বৃশ্চিক রাশি এর বিপরীত সম্ভাবনার ইংগিত করে। আপনার জীবনকালে মোটামুটি হবে। দুর্ঘটনা থেকে সাবধান হওয়া উচিত বিশেষ করে উচু জায়গা থেকে পড়ে যাওয়ার প্রবল সম্ভাবনা। আপনার মৃত্যু আকস্মিক ভাবে হবে।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



X-35, Okhla Phase II, New Delhi - 110020 Ph. 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

দশা বিশ্লেষণ

মহাদশা :- শনি
(03/03/2016 - 03/03/2035)

শনির মহাদশা ১৯ বর্ষ অবধি হয়। আপনার কুন্ডলীতে এই দশা ০৩/০৩/২০১৬ আরম্ভ ও ০৩/০৩/২০৩৫ সমাপ্ত হবে।

শনি আপনার কুন্ডলীতে তৃতীয় ভাবে অবস্থিত। শনি এক অশুভ গ্রহ এবং ফল প্রাপ্তিতে বিলম্ব ও বাধা প্রদান করে। ফল প্রাপ্তির জন্য এই গ্রহ জাতককে কঠিন পরিশ্রম করায় প্রেরিত কোরে জাতকের ধৈর্য পরীক্ষা নেয়োয়ার পরে জাতককে লক্ষ্য প্রাপ্তি করায়। অতএব শনি এক ‘কার্মিক’ গ্রহ। তৃতীয় ভাবে স্থিত এই গ্রহের দৃষ্টি আপনার জন্মকুন্ডলীতে পঞ্চম, নবম ও দ্বাদশ ভাবের উপর আছে। এই সব ভাবের উপর প্রভাব বিস্তার করছে। তৃতীয় ভাব মানসিক অভিরুচি, বুদ্ধি সাহস, পরাক্রম, নিকট যাত্রা, হাত, গলা, বাহু, স্নায়ুতন্ত্র ইত্যাদি দ্যোতক।

স্বাস্থ্য :

তৃতীয় ভাব সাহস ও পরাক্রম ভাব এখানে মহাদশা অধিপতি শনি এই ভাবকে শক্তি প্রদান করছে। অতএব এই দশা চলাকালীন আপনি নিজেকে সাহসী ও শক্তিশালী অনুভব করবেন এবং আপনার কোনো কঠিন রোগ অথবা কোনো রকম স্বাস্থ্য সমস্যা হবে না।

ধন-সম্পত্তি :

শনি আপনার কুন্ডলীতে তৃতীয় ভাবে অবস্থিত। এই ভাব সাহস, বুদ্ধি এবং মানসিকতা পরিচায়ক। ফলস্বরূপ আপনার চল-অচল সম্পত্তি বৃদ্ধি করার অনেক সুযোগ পাবেন। আপনার পূর্ব ঋণ শোধ হবে। আপনি আরাম ও বিলাস ইত্যাদির বস্তু ক্রয়ে অর্থ ব্যয় করবেন।

জীবিকা :

সাহসী হওয়ার কারণে আপনি নির্মম হতে পারেন। আপনি স্থানীয় বোর্ড, মিউনিসিপ্যালিটি ইত্যাদির প্রধান বা অধ্যক্ষ হতে পারেন। আপনার সফলতা প্রাপ্তিতে অসুবিধা হবে ও লক্ষ্য প্রাপ্তিতে বাধা পাবেন।

পারিবারিক জীবন :

আপনার পারিবারিক জীবন উত্তম ও সম্ভাব পূর্ণ হবে। আপনার জীবনসাথী আপনাকে সহযোগীতা করবে। কিন্তু, আপনার ভাই-বোন সমস্যা ও অসুবিধার সৃষ্টি করবে এবং আপনি সাহসিকতার সঙ্গে তার মোকাবিলা করবেন।

শিক্ষা/প্রশিক্ষণ :

উচ্চ শিক্ষা এবং সাহিত্যিক বৃত্তি বিকাশের জন্য এই দশা অত্যন্ত অনুকূল।

অন্তর্দর্শা :- শনি - শুক্র
(23/12/2022 - 22/02/2026)

শনি মহাদশা কী অবধি ১৯ বর্ষ হোতী হৈ। আপকে লিএ যহ ০৩/০৩/২০১৬ কো প্রারংভ হোকর ০৩/০৩/২০৩৫ কো সমাপ্ত হোগী। ইস মহাদশা মেং শুক্র কী অংতর্দর্শা ৩ বর্ষ ২ মাস কী হোগী জো আপকে লিএ ২৩/১২/২০২২ কো প্রারংভ হোকর ২২/০২/২০২৬ কো সমাপ্ত হোগী।

শুক্র আপনার জন্মপত্রিকায় সপ্তম ভাবে অবস্থিত। সপ্তম ভাব আত্মীয় সম্বন্ধ, জীবনসার্থী, ব্যবসায়ের অংশীদার, মোকদ্দমা, বিদেশে প্রভাব ও জীবনে বিপদের পরিচায়ক। শুক্র শুভ গৃহ। সপ্তম ভাবে স্থিত শুক্র আপনার কুন্ডলীর লগ্নে দৃষ্টিপাত দ্বারা কারকত্বকে প্রভাবিত করছে।

এই দশায় আপনার ব্যক্তিত্বের বিকাশ ও শিষ্ট ব্যবহার সম্পন্ন হবেন। আমোদ-প্রমোদে মন লাগবে। জনপ্রিয় হবেন বিশেষকরে বিপরীত লিঙ্গের ব্যক্তির আপনার প্রতি আকর্ষিত হবে। তাদের সাথে আবশ্যিকতার অধিক প্রগাঢ়তা বৃদ্ধি কোনো ব্যাধির সৃষ্টি করতে পারে। বিপরীত লিঙ্গের ব্যক্তিদের সাথে ব্যবসাতে অংশীদারী লাভজনক হবে।

শুভত্ব বৃদ্ধি ও অরিষ্ট দূরীকরণে নিম্ন উপায় করুন :

- ১ দেবী লক্ষ্মীর উপাসনা করুন।
- ২ পীপিলিকাদের চিনি ও আটা খাওয়ান।
- ৩ বালিকাদের পায়ের খাওয়ান।

অন্তর্দর্শা :- শনি - রবি
(22/02/2026 - 04/02/2027)

শনি মহাদশা ১৯ বছর। আপনার এই মহাদশা ০৩/০৩/২০১৬ আরম্ভ হয়ে ০৩/০৩/২০৩৫ সমাপ্ত হবে।

শনির মহাদশায় সূর্যের অন্তর্দর্শা ১১ মাস ১২ দিন পর্যন্ত হয়। আপনার এই অন্তর্দর্শা ২২/০২/২০২৬ আরম্ভ হয়ে ০৪/০২/২০২৭ সমাপ্ত হবে।

সূর্য আপনার জন্মপত্রিকায় অষ্টম ভাবে স্থিত। অষ্টম ভাব আয়ু, উত্তরাধিকার, দুর্ঘটনা, দুর্ভাগ্য, দুঃখ, চিন্তা, নিরাশা, ক্ষতি, বাধা, চুরি ও ডাকাতির পরিচায়ক। সূর্য শক্তিশালী গৃহ। অষ্টম ভাবে স্থিত সূর্য আপনার কুন্ডলীর দ্বিতীয় ভাবে দৃষ্টিপাত দ্বারা কারকত্বকে প্রভাবিত করছে।

এই দশায় আপনার ব্যক্তিত্ব আকর্ষক ও বাণীতে মধুরতা বৃদ্ধি পাবে। কখনও সখনও সম্মান নষ্ট হতে পারে। ফাটকায় ইত্যাদিতে অকস্মাৎ ধনলাভ হতে পারে। এই অন্তর্দর্শায় কখনও ভালো কখনও মন্দ ঘটনায় ঘটিত হতে পারে।

অরিষ্ট দূরীকরণে নিম্ন উপায় করুন।

- ১ মধু ও দুধ পান করুন এবং অগ্নিতে দুধ অর্পণ করুন।
- ২ গরীবদের আটা, গুড় ও তামা দান করুন।

অন্তর্দর্শা :- শনি - চন্দ্র
(04/02/2027 - 04/09/2028)

শনি মহাদশায় চন্দ্রের অন্তর্দর্শা ১ বর্ষ ৭ মাস। আপনার এই মহাদশা ০৩/০৩/২০১৬ আরম্ভ হয়ে ০৩/০৩/২০২৫ সমাপ্ত হবে।

চন্দ্র আপনার জন্মপত্রিকায় একাদশ ভাবে অবস্থিত। একাদশ ভাব বন্ধুবর্গ, সমাজ, উচ্চাকাংক্ষা, ইচ্ছাপূর্তি, উদ্যমের সফলতা, ধনলাভ, বড় ভাই, ভাগ্যোদয় ও হাঁটুর পরিচায়ক। চন্দ্র মন ও মাতার কারক গ্রহ। একাদশ ভাব স্থিত চন্দ্র আপনার কুন্ডলীর পঞ্চম ভাবে দৃষ্টিপাত দ্বারা কারকত্বকে প্রভাবিত করছে।

এই দশায় আপনি বাধা সত্ত্বেও প্রত্যেক কার্যে সফল হবেন। দান-ধর্মে যুক্ত থাকায় সমাজে সন্মান লাভ করবেন। আপনার জনপ্রিয়তা বৃদ্ধি, উত্তম ধনাগম এবং বিদ্বান ব্যক্তিদের সঙ্গে সম্পর্ক স্থাপিত হবে।

অরিষ্ট দূরীকরণে চন্দ্র বৈদিক মন্ত্র ১১০০০ বার জপ করুন।

চন্দ্রাদেয়ের সময় চন্দ্র মন্ত্র পাঠ করতে করতে চন্দ্রের উদ্দেশ্যে দুধ অর্পণ করুন।

অন্তর্দর্শা :- শনি - মঙ্গল
(04/09/2028 - 14/10/2029)

শনি মহাদশা ১৯ বছর। এই মহাদশা ০৩/০৩/২০১৬ আরম্ভ হয়ে ০৩/০৩/২০৩৫ সমাপ্ত হবে। এই মহাদশায় মঙ্গলের অন্তর্দর্শা ১ বছর ১ মাস। আপনার এই অন্তর্দর্শা ০৪/০৯/২০২৮ আরম্ভ হয়ে ১৪/১০/২০২৯ সমাপ্ত হবে।

মঙ্গল আপনার জন্মপত্রিকায় সপ্তম ভাবে অবস্থিত। সপ্তম ভাব আত্মীয় সম্বন্ধ, জীবনসংগী, ব্যবসায়ের অংশীদার, মোকদ্দমা, বিদেশে প্রভাব ও জীবনে বিপদের পরিচায়ক।

সপ্তম ভাব স্থিত মঙ্গল আপনার কুন্ডলীর ১০, ১, ২ ভাবে দৃষ্টিপাত দ্বারা কারকত্বকে প্রভাবিত করছে।

এই দশায় আপনি বিপরীত লিঙ্গের প্রতি আকৃষ্ট হবেন। আপনি কটু ও ক্রোধিত ব্যবহার করতে পারেন। ঈর্ষ্যা বৃদ্ধি হতে পারে। বিবাহিত জীবনে উৎকণ্ঠিত হতে পারেন। আপনি মাদ্রলিক। অতএব আপনার জীবনসংগী মাদ্রলিক হওয়া প্রয়োজন।

অরিষ্ট দূরীকরণে ও শুভত্ব বৃদ্ধির জন্য প্রতিদিন হনুমান চালীসা পাঠ করুন ও হনুমানজীর দর্শন করুন।

অন্তর্দর্শা :- শনি - রাহু
(14/10/2029 - 20/08/2032)

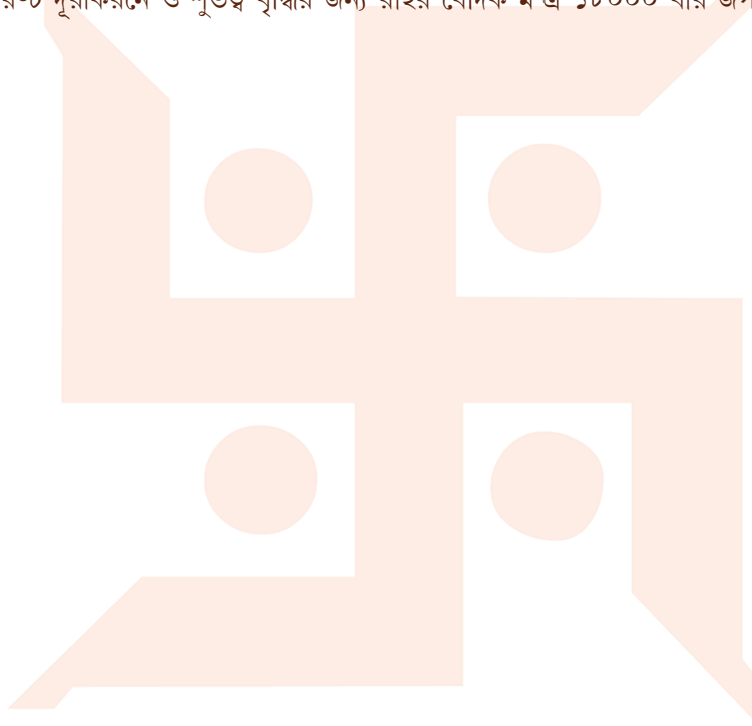
শনি মহাদশা ১৯ বছর। আপনার এই মহাদশা ০৩/০৩/২০১৬ আরম্ভ হয়ে ০৩/০৩/২০৩৫ সমাপ্ত হবে। এই মহাদশায় রাহুর অন্তর্দর্শা ২ বছর ১০ মাস। আপনার এই অন্তর্দর্শা ১৪/১০/২০২৯ আর

মন্ড হয়ে ২০/০৮/২০৩২ সমাপ্ত হবে।

রাহু আপনার জন্মপত্রিকায় দ্বিতীয় ভাবে অবস্থিত। দ্বিতীয় ভাব ভাগ্য, লাভ-হানি, সাংসারিক অভিজ্ঞতা, রত্ন, বাণী, ডান চোখ, উচ্চাকাংক্ষা, জিভ, দাঁত ও পরিবারের সদস্যদের পরিচায়ক। রাহু ছায়া গ্রহ। রাহুর কোনো স্বরাশি বা রাশ্যাধিপত্য নেই। মান্যতা অনুযায়ী রাহু অশুভ, কিন্তু এর অবস্থিতি অনুসারে শুভাশুভ ফল প্রদান করে। দ্বিতীয় ভাব স্থিত রাহু আপনার কুন্ডলীর অষ্টম ভাবে দৃষ্টিপাত দ্বারা কারকত্বকে প্রভাবিত করছে।

এই দশায় কটুবাক্য প্রয়োগের কারণে আপনার পারিবারিক জীবন অশান্তিপূর্ণ এবং পরিবার থেকে দূরত্ব বাড়তে পারে। আর্থিক সক্ষমতা থাকা সত্ত্বেও আপনি কৃপণ হতে পারেন। জ্বর পীড়িত হওয়ায় শরীর খারাপ লাগতে পারে। চোখের রোগের ব্যাপারে সাবধান হন। আর্থিক বিষয়ে অনিশ্চিততা থাকবে। মিত্র ও ব্যবসায়ের মাধ্যমে ধনাগম হতে পারে।

অরিষ্ট দূরীকরণে ও শুভত্ব বৃদ্ধির জন্য রাহুর বৈদিক মন্ত্র ১৮০০০ বার জপ করুন।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

